View metadata, citation and similar papers at core.ac.uk

brought to you by CORE

provided by CMFRI Digital Repository

ISSN: 0972 - 2351

मत्स्यगंधा
2003

मात्स्यिकी और जीविकोपार्जन

केंद्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान
(भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)
कोचीन - 682018

मत्स्य पालन तथा उसके विकास में महिलाओं की भूमिका

आशीष कुमार पाणिग्राही
पश्चिम बंगाल पशु पालन तथा मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकोत्ता

भूमिका

भारत विश्व का सातवाँ सबसे बड़ा मत्स्य उत्पादक देश है। सर्वकालीन विश्व में महिलाओं के पक्ष में हवा चल रही है और सभी जगह इनके सर्वांगीण विकासार्थ अनुकूल वातावरण भी बनता जा रहा है, जो कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आयोजित चारों विश्व महिला सम्मेलनों से स्वतः सिद्ध हो जाता है। इसलिए अधिकतर सरकारी, गैर-सरकारी संस्थाएँ एवं सामान्य जन (21 वीं) सदी को महिला सदी कहने लगे हैं। अब नारी प्रत्येक क्षेत्र में अपनी अंतर्निहित क्षमता द्वारा आत्मविश्वास तथा साहस के साथ पुरुष प्रधान समाज में सफलताएं अर्जित कर रही हैं। महिलाओं का आज खगोलीय अध्ययन, समुद्र अध्ययन, कंप्यूटर से लेकर कृषि, मत्स्य, पशु-पालन, टोकरियाँ बनाना, झाड़ू बनाना, रस्सी बनाना आदि कार्यों में प्रतिशत बढ़ता जा रहा है। मत्स्य पालन तथा उसका विकास इससे अछूता नहीं है। मछली पालन जिसमें मछलियों को सुखाना, बेचना, जालों की मरम्मत और झींगा मछली का प्रसंस्करण महिलाओं का पसंदीदा विभाग है।

मछली को संग्रह करने के बाद - महिलाओं का योगदान

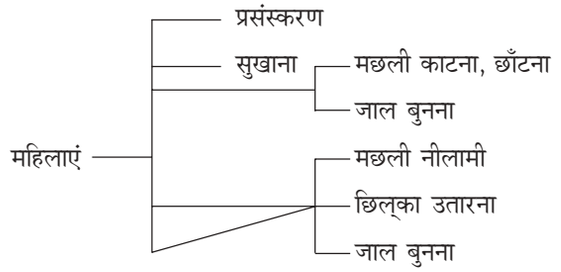

पत्रव्यवहार : डॉ. आशीष कुमार पाणिग्राही, अध्यापक, वेस्ट बंगाल यूनिवर्सिटी आफ़ अनिमल आन्ड फिशरीज़ साईंसेस पी ओ कृषि विश्वविद्यालय, नादिया - 741252 कोलकोत्ता।

मत्स्य पालन के भिन्न विभागों में महिलाओं का औसत मासिक आमदनी

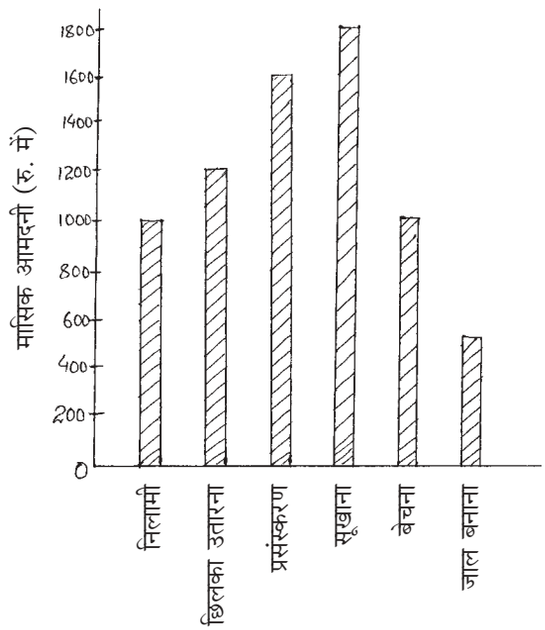

1) नीलामी करना (जहाज भर मछली को बेचना)

नीलामी में महिलाओं की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। इसमें मछली को उतारना, जहाज को साफ करने से लेकर उसकी सुरक्षा तक का योगदान होता है। इसमें कार्य करने वाले मज़दूरों (स्त्री + पुरुष) को मासिक वेतन दिया जाता है। इसमें गरीब परिवार (पिछडी महिलाएं) अधिक काम करती हैं, तथा वेतन 1000-1500 रु. मासिक मिलता है।

2) छिलका उतारना (Peeling)

इसमें महिलाए झींगा मछली, स्क्विड तथा कटल फिश से छाल उतारना तथा उसे साफ करने का काम करती है। यह काम स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है, तथा तरह-तरह के रोग होने का डर रहता है। साथ ही इस में मासिक वेतन भी कम

ही मिलता है।

3) मत्स्य प्रसंस्करण

मत्स्य प्रसंस्करण कारखाना में महिलाओं को तकनीकी तथा गैर - तकनीकी दोनों विभागों में काम करना पड़ता है। गैर-तकनीकी विभागों में महिलाओं की भागीदारी अधिक है। इसका कारण, महिलाओं का अशिक्षित तथा गैर - तकनीक होना है। इसमें ज्यादा महिलाएं छाल उतारना, पैकेट में भरना, पैकेट को बंद करना विभाग में ही काम करती हैं। उन्हें इसके लिए 1000-1500 रु. मासिक वेतन ही मिलता है। पर बदलते हुए समय में आज अनेक महिलाएं तकनीकी विभाग में भी मत्स्य संस्करण कारखाना में काम करने लगी है। इसमें उत्पादन विभाग, मार्केटिंग विभाग, प्रयोगशाला विभाग तथा मैनेजमेंट विभाग शामिल है। तकनीकी कामों में महिलाओं को अच्छा वेतन तथा हल्का काम भी मिलता है।

4) सुखाना

मछली को सुखाने में महिलाओं का महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसमें शामिल है, सुखाने वाला यार्ड बनाना, मछली को काटना-छांटना, नमक मिलाना तथा नमक के घोल में डुबाना, धोना तथा किण्वण की क्रिया करना। यह काम महिलाएँ, पुरुषों से ज्यादा अच्छी तथा साफ सुधरी-ढ़ंग से कर सकती हैं। इसमें महिलाओं को 1500-2500 रु. तक मासिक वेतन मिलता है।

5) मछली बेचना

इसमें मछली को बाज़ार में बेचना शामिल हैं। महिलाएं आज मछली बेचने के व्यवसाय में बहुत आगे आ चुकी हैं। क्योंकि महिलाएं मछली बेचने के साथ-साथ उसे साफ रखने, एक जगह से दूसरे जगह ले जाने तथा उसको काटने-छॉटने में बहुत ही दक्ष होती हैं। इसमें महिलाओं को प्रति दिन 60-100/- रु. आमदनी मिल जाती है।

अन्य काम

(i) जाल बुनना

घर बैठे महिलाएं आज बहुत ही दक्ष और अच्छी तरह से यह काम कर रही हैं। यह दूसरे कामों से भी अच्छी तरह से महिलाएं कर लेती हैं। इसमें अच्छी-खासी आमदनी भी हो जाती है।

(ii) रस्सी बनाना

इसमें भी महिलाएं दुसरे काम के साथ-साथ यह काम कर सकती हैं।

(iii) डुबाने वाले पत्थर का निर्माण

इसमें महिलाएं नदी के तट पर पत्थर चुनती हैं तथा उसे काँट-छाँट तथा धीस-कर डुबाने वाले पत्थर का निर्माण करती हैं।

आधुनिक समय में महिलाओं का योगदान

आधुनिक समय में महिलाएं मत्स्य उत्पादन तथा उसके विकास में सभी जगह बढ़-चढ़ कर योगदान कर रही हैं। आज के समय में वह किसी भी मायने में पुरुषों से कम नहीं हैं। वह तकनीशियन से लेकर उसका मार्केटिंग, मैनेजिंग तथा मत्स्य वैज्ञानिक के पद पर भी कार्य कर रही हैं।

सुझाव

आज आवश्यकता है कि मत्स्य पालन में महिलाओं की कार्य क्षमता और उत्पादकता बढ़ाई जाए। इसकी आय-सृजन क्षमता बढ़ाई जाए। उनके लिए रोजगार के अवसर बढ़ाए जाए, उनके स्वास्थ्य जोखिम व काम के बोझ को कम किया जाए।

मत्स्य-पालन प्रसार, फार्म प्रबंधन की जानकारी दी जाए। मत्स्य पालन विभाग के महिलाओं के लिए व्यापक एवं क्रियाशील प्रशिक्षण आयोजित किए जाए।

(i) मजदूरी बढ़ाई जाए :- पुरुषों के बराबर वेतन दिए जाए।

(ii) प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाए :-

मत्स्य पालन से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में महिलाओं की अधिक-से-अधिक भागीदारी बढ़ाई जाए। जिसके लिए महिला प्रशिक्षण द्वारा प्रशिक्षण दिलाया जाए। मत्स्य पालन तथा मत्स्य प्रसंस्करण के उपयोग करने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।

(iii) रुचि के अनुसार कार्य कराएं जाएं।

(iv) शिक्षा का प्रसार :-

महिला शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए सरकार को इस पर पूर्ण ध्यान देना चाहिए। शिक्षा के माध्यम से नई-नई तकनीकों की जानकारी महिलाओं को प्राप्त होगी। साथ ही उनका शोषण भी कम होगा। तकनीकी क्षेत्रों में स्त्री-पुरुष समानता पर आधारित सोच शामिल करने के लिए सभी मत्स्य शिक्षा संस्थाओं में नियमित पाठ्यक्रम विकसित किया जाना चाहिए।

(v) महिलाओं में नेतृत्व कौशल का विकास किया जाए।

मुख्य शब्द - Keywords

छल/छिल्का उतारना - peeling
प्रसंस्करण - processing
स्क्विड - squid (a marine shell fish)
कट्टल फिश - cuttle fish (a marine shell fish)